निम्नलिखित पद्य का अध्ययन करना होगा –

1– गोलप

2– अमंक कोने मोरे

3– गीत

4– सुरार देओल

2– गद्य– **15 अंक**

1– पठित खण्ड की व्याख्या **6 अंक**

2– संक्षिप्त विवरण (निर्धारित पुस्तक से पौराणिक, ऐतिहासिक, लाक्षणिक तकनीकी या भावात्मक संदर्भ में।) **5 अंक**

3– पठित खण्ड से सामान्य प्रश्न **4 अंक**

निम्नलिखित गद्य पाठों का अध्ययन करना होगा–

1– पाक शिविध सलीम अली

2– स्विंग बाल

3– भारतार विचित्रार मजोट आकिया

4– आसामी लोकगीत

5– लूकोदेका फूकानार देश भोविन

3– आत्मकथा– **5 अंक**

निर्धारित पुस्तक–

जीवनी संग्रह– पद्मनाथ मोहन बरूआ द्वारा मूलरूप में संकलित वर्तमान में आसाम बोर्ड बानुनी मैदान गुवाहाटी द्वारा प्रकाशित ।

उड़िया

(कक्षा–10 के लिए)

इस विषय में एक प्रश्न–पत्र 70 अंकों का होगा समयावधि तीन घंटे की होगी।

भाग–1 35 अंक

(1) व्याकरण 20 अंक

(क) शब्दों का निर्माण (संज्ञा विशेषण)

सन्धि (व्यजंन विसर्ग) समास (बहुब्रीहि कर्मधारय, अव्ययीभाव तदिया)

(ख) कहावते एवं मुहावरें

(ग) विराम चिन्ह

(घ) वाक्य का परिवर्तन(संयुक्त मिश्रित साधारण)

(ड़) साधारण वाक्य का सुधार ,शब्दो वाक्य

(2) रचना

निबन्ध, (साधारण विषय पर) 10 अंक

अपठित गद्यांश 5 अंक

भाग–2 35 अंक

(1) गद्य (विस्तार अध्ययन)

(क) खण्ड (निर्धारित) की व्याख्या 4 अंक

(ख)साधारण प्रश्न 9 अंक

(ग) संक्षिप्त टिप्पणियॉ 4 अंक

(निर्धारित पुस्तक से पौराणिक ऐतिहासिक लाक्षणिक तकनीकी या भावात्मक)

निर्धारित पुस्तक

साहित्य 1992 गद्य विभाग प्रकाशित उड़िया बोर्ड सेकेण्डरी एजूकेशन, उड़िया

नोट– सभी पाठों का अध्ययन किताब में निर्धारित है।

(2) संक्षिप्त टिप्पणियॉ और एक अंश का लेख विस्तृत अध्ययन में त्रिधारा प्रकाशित सन् 1992 उड़िया बोर्ड सेकेण्डरी उड़िया 6 अंक

(3)पद्य 12 अंक

(1) साधारण प्रश्न

(2) व्याख्या

निर्धारित पुस्तक

साहित्य सन् 1992 में प्रकाशित (पद्य भाग) प्रकाशित उड़िया बोर्ड आफ सेकेण्डरी एजूकेशन उड़िया

नोट– सभी निर्धारित पद्य पाठ करना है।

कन्नड़

कक्षा–10

इस विषय में 70 अंको का केवल एक प्रश्नपत्र तीन घन्टे का होगा ।

भाग–अ **35 अंक**

अ–व्याकरण– 17 अंक

(1) सन्धि,समास।

(2) पैरा फ्रेजिंग (Para Phrasing) सरलीकरण/अपने शब्दों में लिखना।

(3) पर्यावाची एवं विलोम शब्द।

व्याकरण का औपचारिक ज्ञात देते समय व्याकरण के कार्यकारी प्रयोग करना ताकि छात्रों में भाषा व्याकरण की उपयोगिता का ज्ञान हो न सके तथा भाषायी चातुर्य को बढ़ावा मिल सके।

ब– मुहावरे तथा लोकोक्तियॉ।

2– रचना– 13 अंक

(अ) निबन्ध रचना–वर्णनात्मक,सामाजिक (पारिवारिक एवं विद्यार्थी जीवन के सम्बन्ध में) कथात्मक (निबन्ध 150 से 200 शब्दों में)

(ब) पत्र लेखन (सम्पादक को व्यापारिक पत्र एवं प्रार्थना–पत्र)।

3– अपठित गद्यांश का बोध कराना। 05 अंक